[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6604 **L**

Unique Paper Code : 2135000011

Name of the Paper : Introduction to Jaina Philosophy (GE)

Name of the Course : **Common Prog. Group, NEP-UGCF**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. जैन दर्शन के कर्म-सिद्धान्त का विवरण दीजिए। 18

Describe the Karma-theory of Jaina philosophy.

Or/ अथवा

जैन दर्शन के उद्भव और विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का वर्णन कीजिए।

Discuss the historical background of the origin and development of Jaina philosophy.

2. जैन दर्शन द्वारा मान्य अजीव द्रव्यों के 5 भेदों पर प्रकाश डालिए। 18

Shed light upon the five types of insentient substances accepted by Jaina philosophy.

Or/ अथवा

P.T.O.

जैन दर्शन के स्याद्वाद-सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।

Describe the Syādvāda- theory of Jaina philosophy.

3. जैन-दर्शन द्वारा प्रतिपादित पंचमहाव्रत का वर्णन कीजिए। 18

Describe the five Mahāvrata propounded by Jaina philosophy.

Or/अथवा

जैन-साधनापद्धति में समितियों एवं गुप्तियो के महत्व को समझाइए।

Explain the importance of Samiti and Gupti in Jaina spiritual practice.

4. भारतीय संस्कृति की विविधता एवं सातत्य में जैन-मत के योगदान को समझाइए। 18

Explain the contribution of Jainism in the diversity and continuity of Indian culture.

Or/अथवा

जैन दर्शन में प्रतिपादित अहिंसा की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

Explain the concept of Ahiṁsā as propounded in Jain philosophy.

5. निम्नलिखित में से किन्ही तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। (6x3=18)

Write a short-note on any three of the following

(i) अवधिज्ञान (Avadhijñāna)

(ii) पर्याय (Paryāya)

(iii) संवर(Saṁvara)

(iv) पार्श्वनाथ (Pārśvanātha)

(v) अनस्तिकाय (Anastikāya)